अनित्य भावना

अर्थात्

श्रीपद्मनन्दिसूरिकृत अनित्य पञ्चाशत्का समूल भाषापद्यानुवाद।

No. 2805

अनुवादक,

श्रीयुत बाबू जुगलकिशोरजी मुख्तार

देववन्द, जि० सहारणपुर।

प्रकाशक,

श्रीजैनग्रन्थरत्नाकर कार्यालय,

हीराबाग, पो० गिरगाँव, बम्बई।

श्रीवीर नि० स० २४४०

प्रथमावृत्ति] मई सन १९१४ ई० [मूल्य डेढ़ आना।